

छुपे हुए हो तुम कहाँ नहीं कोई अता पता लिरिक्स



छुपे हुए हो तुम कहाँ,
नहीं कोई अता पता,
मैं ढूँढता हूँ सांवरे,
कहाँ मिलोगे ये बता,
छुपे हुए हो तुम कहाँ।

देखे – छुपे बैठे हो कण कण में।

पुकारता रहा तुझे,
दुआ सुनोगे कब मेरी,
ज़रा सा ये बता मुझे,
दया मिलेगी कब तेरी,
कहीं मैं आज रो पड़ूँ,
ना और अब मुझे सता,
मैं ढूँढता हूँ सांवरे,
कहाँ मिलोगे ये बता,
छुपे हुए हो तुम कहाँ।

ये तेरे मेरे बीच की,
मिटेंगी कैसे दूरियाँ,
ना जाने ये जुदाई की,
कटेंगी कैसे बेड़ियाँ,
ये फांसले बने हैं क्यों,
तू आके अब इन्हें मिटा,
मैं ढूँढता हूँ सांवरे,
कहाँ मिलोगे ये बता,
छुपे हुए हो तुम कहाँ।

जिया में मेरे जल रही,
दीदार की ये आग है,
जुबाँ ये मेरी गा रही,
बिरह के सूनी राग है,
ये 'हर्ष' घुट रहा तेरा,
तू आके आग ये बुझा,
मैं ढूँढता हूँ सांवरे,
कहाँ मिलोगे ये बता,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

छुपे हुए हों तुम कहाँ।bd।



छुपे हुए हो तुम कहाँ,
नहीं कोई अता पता,
मैं ढूँढता हूँ सांवरे,
कहाँ मिलोगे ये बता,
छुपे हुए हों तुम कहाँ।bd।

Singer – Rajneesh Sharma